



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 34]  
No. 34]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 7, 1984/फाल्गुन 17, 1905  
NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 7, 1984/PHALGUNA 17, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय  
नई दिल्ली, 7 मार्च, 1984

निर्यात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 8-ईटीसी (पी एन)/84

विषय:—1-1-84 से 31-12-1984 तक संयुक्त राज्य अमरीका, यूरोपीय आर्थिक समुदाय के सदस्य देशों, आस्ट्रिया, फिनलैंड, कनाडा और स्वीडन को खुले सामान्य लाइसेंस-3 के अन्तर्गत पोशाकों और सलाई से तैयार किए गए वस्त्रों को निर्यात करने के लिए योजना।

मि० सं० 2/5/57/83-ई०-2 उपयुक्त विषय पर सार्वजनिक सूचना सं० 41-आई० टी० सी० (पी०एन०)/83 दिनांक 14 सितम्बर, 1983 की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. उपयुक्त सार्वजनिक सूचना के पृष्ठ 2 पर पैरा 4(1) के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

आवंटन वर्ष का विभाजन और अवधियों के बीच मात्रा का आवंटन

भूतकालीन निष्पादन और विनिर्माता/नियंत्रक प्रणाली के मामले में निर्यात के लिए मात्रा को आवंटन

करने के प्रयोजनार्थ पूरे कैलेंडर वर्ष को एक अवधि के रूप में जाना जाएगा। केन्द्रीय/राज्य निगम और पहले आए सं. पहले पाए लघु आदेशों की प्रणाली के मामले में बुनी हुई मर्दों के लिए वर्ष को तीन-चार मासिक अवधियों में विभाजित किया जाएगा, जैसा जनवरी-अप्रैल, मई-अगस्त, और सितम्बर-दिसम्बर और सलाई से तैयार की गयी मर्दों के लिए दो अवधियों में अर्थात् जनवरी-अगस्त और सितम्बर-दिसम्बर में विभाजित किया जाएगा। इन दो प्रणालियों में बुनी हुई मर्दों की मात्रा 50:35:15 के अनुपात में तीन अवधियों में वितरित की जाएगी, जबकि सलाई से तैयार मर्दों के लिए मात्रा 85:15 के अनुपात में दो अवधियों में वितरित की जाएगी। भूतकालीन निष्पादन हकदारी के उद्देश्य के लिए वर्ष को दो अवधियों में बांटा जाएगा। प्रथम अवधि में पंचांग वर्ष के पहले चार महीने शामिल होंगे और द्वितीय अवधि 1-5-1984 से 15 अक्टूबर, 1984 तक की होगी। भूतकालीन हकदारी का न्यूनतम 50 प्रतिशत जो मूल रूप से मूल निष्पादन अवधि के आधार पर गिना गया हो, का उपयोग पहले चार महीनों अर्थात् 30-4-84 में होना चाहिए। 50 प्रतिशत में से शेष अप्रयुक्त हकदारी स्वतः अर्पित की गई समझी जाएगी। इससे आगे शेष 50 प्रतिशत भूतकालीन निष्पादन हकदारी का प्रयोग 15 अक्टूबर, 1984 तक करना

पड़ेगा और शेष मात्रा जब तक इसकी वैधता अवधि पैरा 14(1) के अनुसार न बढ़ा दी जाए स्वतः अभ्यर्पित की गई समझी जाएगी।

पृष्ठ 3 पर पैरा 6(4) के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

**भूतकालीन निष्पादन हकदारी का हस्तान्तरण :—**

भूतकालीन निष्पादन हकदारी या तो पूर्णरूप से या आंशिक रूप से पेशगी के अन्य पंजीकृत निर्यातक को 15-10-1984 तक किसी भी समय निम्नलिखित शर्तों के अधीन हस्तान्तरित की जा सकती है :—

(क) प्रस्तुत सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तिथि से भूतकालीन निष्पादन हकदारी के सभी हस्तान्तरणों की अनुमति हस्तान्तरी द्वारा केवल 10 प्रतिशत बैंक गारंटी प्रस्तुत करने पर ही दी जाएगी। जिस मामले में हस्तान्तरण पहले ही कर लिए गए हों उसमें हस्तान्तरी को इस सार्वजनिक सूचना की तिथि से 15 दिन का समय 10 प्रतिशत की दर पर बैंक गारंटी देने के लिए दिया जाएगा। गारंटी देने में असफल रहने पर हस्तान्तरण का आवंटन रद्द कर दिया गया समझा जाएगा।

(ख) ऐसी हस्तान्तरित हकदारी के मुद्दे पोतलदान हस्तान्तरी द्वारा निर्यात के रूप में गिना जाएगा।

(ग) हस्तान्तरी के हाथों में हस्तान्तरित हकदारी उन्हीं शर्तों के अधीन होगी जो हस्तान्तरक के लिए लागू हैं।

(घ) जिस निर्यातक ने किसी विशेष देश/क्षेत्री के अन्य निर्यातक की अपनी हकदारी का हस्तान्तरण पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से कर दिया हो वह उसी देश/क्षेत्री में अपने लिए किसी अन्य निर्यातक से भूतकालीन निष्पादन हकदारी मांगने के लिए पात्र नहीं होगा।

(ङ) एक निर्यातक जो किसी विशेष देश/क्षेत्री के किसी अन्य निर्यातक से हस्तान्तरण पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से हकदारी प्राप्त करता है, वह उसी देश/क्षेत्री में किसी अन्य निर्यातक को कोई हकदारी हस्तान्तरित करने का पात्र नहीं होगा।

(च) भूतकालीन निष्पादन हकदारी का धारक जो किसी विशेष देश/क्षेत्री में पहले आए सो पहले पाए लघु आदेश योजना के अधीन कोई हकदारी प्राप्त करता है, वह ऐसी लघु आदेश हकदारी प्राप्त करने के पश्चात उसी देश/क्षेत्री में अपनी भूतकालीन निष्पादन हकदारी से कोई हस्तान्तरण करने का पात्र नहीं होगा।

4. पृष्ठ 6 पर पैरा 14(1) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

अग्रिम धनराशि निक्षेप, बैंक गारंटियों और उन्हें जम्ब करना :

भूतकालीन निष्पादन योजना के मामले में, निर्यातक को जनवरी-अप्रैल 1984 अवधि के दौरान पोतलदान की गई मात्रा के लिए कोई अग्रिम धनराशि निक्षेप या बैंक गारंटी भेजने की आवश्यकता नहीं होगी। लेकिन, भूतकालीन निष्पादन हकदारी के शेष 50 प्रतिशत या उसके एक भाग के विषय में उसे निर्यात हकदारी के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 10 प्रतिशत की सीमा तक बैंक गारंटी द्वारा समर्थित अग्रिम धन राशि निक्षेप/निष्पादन बांड भेजने होगा। ऐसा अग्रिम धनराशि निक्षेप/बैंक गारंटी प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 मई, 84 होगी। शेष 50 प्रतिशत की मात्रा या उसका एक भाग जिसका न तो पोतलदान किया गया हो न ही 31 मई, 84 तक वह अग्रिम धनराशि निक्षेप बैंक गारंटी में शामिल की गई हो वह अभ्यर्पित की गई समझी जाएगी। एक निर्यातक उसके द्वारा पहले सौंपी गई मात्रा के लिए भेजे गए धनराशि निक्षेप/बैंक गारंटी का 50 प्रतिशत चुकाने के बाद अपनी शेष सम्पूर्ण हकदारी या उसका एक भाग 15 अक्टूबर, 84 तक या उससे पहले अभ्यर्पित कर सकता

लेकिन, वैधता अवधि साख-पत्र द्वारा समर्थित विशिष्ट संविदाओं के मुद्दे 31 दिसम्बर, 1984 तक बढ़ाई जा सकती है जो जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 20 प्रतिशत की दर से बैंक गारंटी भेजने के अधीन है।

विनिर्माता निर्यातक प्रणाली के मामले में निर्यातक को जनवरी-अप्रैल, 1984 की अवधि के दौरान पोतलदान की गई मात्रा के लिए किसी पेशगी धन द्वारा निक्षेप या बैंक गारंटी प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। उसे 30 अप्रैल, 1984 के बाद रखी गई निर्यात हकदारियों के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य की 10 प्रतिशत तक की सीमा तक बैंक गारंटी द्वारा समर्थित पेशगी धनराशि निक्षेप/निष्पादन बांड प्रस्तुत करना पड़ेगा ऐसे पेशगी धनराशि निक्षेप/बैंक गारंटी भेजने की अंतिम तिथि 31 मई, 1984 होगी। 30 अप्रैल 1984 के बाद किन्तु पेशगी धनराशि निक्षेप/बैंक गारंटी भेजने से पहले (जो 31 मई, 1984 से पहले होनी चाहिए) लागू होने वाले पोतलदान को पेशगी धनराशि निक्षेप/बैंक गारंटी द्वारा शामिल करने की आवश्यकता नहीं होगी। ऐसी मात्रा जो न तो 31 मई, 1984 तक पोतलदान की जाती है और न ही पेशगी धनराशि निक्षेप बैंक गारंटी द्वारा शामिल की जाती है, उसे अभ्यर्पित कर दिया गया समझा जाएगा, निर्यातक ऐसे अभ्यर्पित की गई मात्रा के लिए उसके द्वारा भेजी गई पेशगी धनराशि निक्षेप बैंक गारंटी के 50 प्रतिशत के भुगतान के बाद 15

अक्टूबर, 1984 को या इससे पहले अपनी हकदारी या उनके भाग का और भी अभ्यार्पण कर सकता है।

5. पृष्ठ 6 पर की कंडिका 14(4) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“एक निर्यातक जो विनिर्माता-निर्यातक प्रणाली में सारे वर्ष के भीतर या भूतकालीन निष्पादन हकदारी-सहित आवंटन की अन्य प्रणालियों के अंतर्गत विशेष अवधि में उसका आवंटित निर्यातक हकदारी के 90 प्रतिशत से कम निर्यात करता है तो उसकी पेशगी धनराशि निक्षेप/बैंक गारंटी को जप्ती नहीं की जाएगी। एक निर्यातक जो 75 प्रतिशत तक किन्तु 90 प्रतिशत से कम निष्पादन करता है उसकी अनुपातिक जप्ती की जाएगी। यदि निर्यात हकदारी आवंटन का उपयोग 75 प्रतिशत से कम है तो निर्यातक को पूरी पेशगी धनराशि निक्षेप/बैंक गारंटी जप्त करानी पड़ेगी। 15 अक्टूबर 1984 के बाद भूतकालीन निष्पादन हकदारी के पुर्नवैधीकरण के मामले में बैंक गारंटी/पेशगी धनराशि निक्षेप की सारी धनराशि अब तक जप्त की जाएगी तब तक अलग अलग ठेकों के अंतर्गत आने वाली मात्रा का 90 प्रतिशत उपयोग नहीं किया जाता है। ये प्रावधान जहां कहीं आवश्यकता पड़े, अनिवार्य बाध्यता की शर्त के अधीन होंगे।

6. पृष्ठ 7 पर की कंडिका-16 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

16 अक्टूबर, 1984 से उपलब्ध मात्रा का विलय :

इस सार्वजनिक सूचना में किसी अन्य स्थान पर विहित किसी अन्य बात के होते हुए भी उन आवंटित स्तरों या अभ्यार्पणों से 16 अक्टूबर, 1984 को यथा उपलब्ध बची हुई मात्रा की सारी शेष मात्रा सामान्य पूल में विलय कर दी गई मानी जाएगी और विभिन्न खण्डों के लिए किसी भी आरक्षण के बिना पहले आए सो पहले पाए (छोटे आदेश) प्रणाली के अंतर्गत आवंटित कर दिया जाएगा।

7. सार्वजनिक सूचना सं० 41—आई०टी०सी० (पी एन०) /83 दिनांक 14-9-1983 में अधिसूचित योजना के सारे अन्य प्रावधान अपरिवर्तनीय रहेंगे।

प्रकाश चन्द जैन, मुख्य नियंत्रक,  
आयात निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 7th March, 1984

EXPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 8-ETC(PN)/84

Subject :—Scheme for exports under OGL : 3 of Garments & Knitwear to USA, EEC Member-States, Austria, Finland, Canada and Sweden from 01/01/1984 to 31-12-84.

F. No. 2/57/83/El.—Attention is invited to public Notice No. 41-ETC(PN)/83 dated the 14th September, 1983 on the above subject.

2. Para 4(i) at page 2 of the above Public Notice shall be substituted by the following :—

#### DIVISION OF THE ALLOTMENT YEAR & APPORTIONMENT OF QUANTITIES AMONG PERIODS

In the case of Manufacturer Exporters System the full calendar year will be considered as one period for the purpose of allotment of quantities for export. In the case of Central/State Corporation and FCFS Small Orders Systems the year will be divided into 3 four monthly periods namely January-April, May-August & September-December in the case of woven items and into two periods namely January-August, September-December for knitted items. In these two systems quantities for woven items will be distributed among the three periods in the ratio of 50 : 35 : 15, whereas the quantities for knitted items will be distributed between the two periods in the ratio of 85 : 15. For purposes of utilisation, of past performance entitlements, the year will be divided into two periods. The first period would cover the first four months of the calendar year; and the second, the period from 1-5-1984 to 15th October, 1984. A minimum of 50 per cent of past performance Entitlement as originally calculated on the basis of base period performance, should be utilised in the first 4 months i.e. upto 30-4-1984. The utilised balance out of 50% would be deemed to be automatically surrendered. Further more, the balance 50 per cent Past Performance Entitlement would have to be utilised by 15th October, 1984 and the balance quantity would be deemed to be automatically surrendered unless its validity is extended in accordance with 14(i).

3. Para 6(iv) at page 3 shall be substituted by the following :—

#### TRANSFERABILITY OF PAST PERFORMANCE ENTITLEMENT

Past Performance Entitlement will be transferable either in full or in part to another registered exporter of garments at any time upto 15-10-84 subject to the following terms and conditions :—

(a) All transfers of Past Performance Entitlement would only be allowed on submission of 10 per cent Bank Guarantee by the transferee from the date of publication of this Notice. In case where transfers have already been effected, the transferees will be given time of 15 days for giving Bank Guarantee @ 10 per cent from the date of this notification failing which the transferred allotment will be treated as cancelled.

(b) Shipment against such transferred entitlement will be counted as the exports of the transferee.

(c) The transferred entitlements in the hands of the transferee will be subject to the same terms and conditions as those applicable to the transferor.

(d) An exporter who has transferred his entitlement in a particular country/category to another exporter either in full or in part, will not be eligible for seeking a transfer of Past Performance Entitlement from any other exporter to himself in the same country/category.

(e) An exporter who obtains entitlement by transfer from any other exporter in a particular country/category, either in full or in part, will not be eligible to transfer any entitlement to another exporter in the same country/category.

(f) A Past Performance Entitlement holder who obtains any entitlement under FCFS Small Orders Systems in a particular country/category will not be eligible to effect any transfer from his Past Performance Entitlement in that country/category after he obtains such Small Orders Entitlement.

4. Part 14(i) at page 6 shall be substituted by the following :—

#### **EARNEST MONEY DEPOSITS, BANK GUARANTEE & FORFEITURE THEREOF**

In the case of Past Performance System, an exporter shall not be required to furnish any earnest money deposit or bank guarantee for quantities shipped during the period January-April, 1984. However, in respect of the remaining 50 per cent or part thereof of Past Performance Entitlement, he shall be required to furnish EMD/Performance Bond backed by Bank Guarantee to the extent of 10 per cent of the f.o.b. value of export entitlement. The last date for production of such EMD/Bank Guarantee would be 31st May, 1984. Quantities out of the balance 50 per cent or part thereof which are neither shipped out nor covered by EMD/Bank Guarantee by 31st May, 1984 will be considered as surrendered. An exporter may further surrender part or whole of his remaining Entitlements on or before October, 15, 1984 after payment of 50 per cent of the EMD/Bank Guarantee furnished by him for quantities so surrendered. The validity of Past Performance Entitlement Certificate would be restricted to 15th October, 1984. However, validity can be extended upto 31st December, 1984 against specific contracts backed by L/C subject to submission of Bank Guarantee at the rate of 20 per cent of FOB value.

In the case of Manufacturer Exporters System an exporter shall not be required to furnish any Earnest Money Deposit or Bank Guarantee for quantities shipped during the period January-April, 1984. He shall be required to furnish EMD/

Performance Bond backed by Bank Guarantee to the extent of 10 per cent of the f.o.b. value of export entitlements retained beyond 30th April, 1984. The last date for production of such EMDs/Bank Guarantees will be 31st May, 1984. Shipment effected after 30th April, 1984, but before submission of EMD/Bank Guarantee (which should be before 31st May 1984, need not be covered by EMD/Bank Guarantees. Quantities which are neither shipped nor covered by EMD/Bank Guarantees, by 31st May, 1984, will be considered as surrendered. An exporter may further surrender his entitlement, or part thereof, on or before 15th October, 1984 after payment of 50 per cent of the EMD/Bank Guarantee furnished by him for quantities so surrendered.

5. Para 14(iv) at page 6 shall be substituted by the following :—

An exporter who exports not less than 90 per cent of the export entitlement allotted to him within the whole year in the Manufactures Exporter System or in a particular period under the other system of allotment including the past performance entitlement will not be liable to forfeiture of EMD/Bank Guarantee. An exporter perform not less than 75 per cent but less than 90 per cent will be liable to proportionate forfeiture. If the utilisation of export entitlement allocation is less than 75 per cent the exporter will be liable for forfeiture of EMD/Bank Guarantee in full.

In the case of revalidation of Past Performance Entitlement beyond 15th October, 1984 the entire amount of BG/EMD will be forfeited unless 90 per cent of the quantity covered by the individual contracts is utilized. These provisions will be subject to conditions of force majeure, wherever these arise.

6. Para 16 at page 7 shall be substituted by the following :—

#### **MERGER OF AVAILABLE QUANTITIES FROM 16TH OCTOBER, 1984**

Notwithstanding any thing contained elsewhere in this Public Notice all balance of balance quantities available as on 16th October, 1984 from unallocated levels or surrenders shall stand merged into a common pool and shall be allocated under the FCFS (Small Order) System without any reservation for different segments.

7. All other provisions of the scheme notified in Public Notice No. 41-ETC(PN)/83, dated 14th September, 1983 will remain unchanged.

**P. C. JAIN,**  
Chief Controller of Imports & Exports.